Source StylesFormat

Swami Vivekanand Govt. PG College Harda (M.P.)

AQAR 2022-23

CRITERION -3
3.2 - Innovation Ecosystem

Swami Vivekanand Govt. PG College Harda (M.P.)

AQAR 2022-23

Criterion 3.2.1

S. No.	Name of Supporting Documents	Page No.
1.	**3.2.1 - Institution has created an ecosystem for innovations and has initiatives for creation and transfer of knowledge**	1-23

जागरुकता ही समाधान का सबसे अच्छा तरीका

● छात्राओं की विभिन्न समस्याओं को लेकर हुई व्याख्यान माला

अनोखा तीर, हरदा। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में महिला सशक्तिकरण के अंतर्गत छात्राओं की विभिन्न समस्याओं, सामाजिक अज्ञानता, दकियानूसी विचारों और अंधविश्वासों के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें विशेषकर छात्राओं तथा महिलाओं को रजस्वला विषय पर जागरूक किया गया। व्याख्यान माला का उद्घाटन करते हुए संस्था की प्राचार्य डॉ संगीता बिले ने कहा कि मासिक धर्म कोई समस्या नहीं है, बल्कि यह सृष्टि के निर्माण हेतु ईश्वर प्रदत्त वरदान और एक जैविक क्रिया है। किंतु कुछ दकियानूसी विचारों और अंधविश्वास से ग्रसित होकर छात्राएं इसे हीन भावना के रूप में देखती हैं तथा इसके संबंध में दूसरों या अपनी सहेलियों से भी बातचीत करने में शर्म महसूस करती हैं। अगली कड़ी में बोलते हुई कला संकाय प्रभारी डॉ धीरा शाह ने कहा कि कई बार रजस्वला से ही अनेक समस्याएं खड़ी हो जाती हैं और असाध्य बीमारियां भी हमें जकड़ लेती हैं। इसलिए जागरुकता ही समाधान का सबसे अच्छा तरीका है। डॉ दीप्ति अग्रवाल ने कहा कि दैनिक स्वच्छता एवं शारीरिक स्वच्छता का हमें विशेष ध्यान रखना चाहिए। सेनेटरी नैपकिन का उपयोग स्वयं भी करना चाहिए और गांव में अपनी माता, बहनों, सहेलियां को भी इसके समुचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। अगली वक्ता डॉ.निर्मला डोंगरे ने कहा कि कई बार देखा गया है कि ग्रामीण और जागरूकता विहीन महिलाएं सेनेटरी पैड के स्थान फटे पुराने, पेड़ों की पत्तियां, राख आदि का उपयोग करते हैं, जिससे अनेक बीमारियां जन्म लेती हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना की छात्रा इकाई प्रभारी डॉ रश्मि सिंह ने कहा कि अब वक्त आ गया है कि सिनेटरी नैपकिन व उसकी प्रयोक्ताओं को सम्मान की दृष्टि से देखा जाए क्योंकि इसी सिनेटरी नैपकिन में मेरा, आपका और इस संपूर्ण सृष्टि का अस्तित्व छिपा हुआ है। महाविद्यालय की सभी गणमान्य महिला अधिकारियों डॉ.शर्मिला मीणा, डॉ.स्मिता गिरगुने, डॉ.आशा गायकवाड़, डॉ.प्रियंका राय, पार्वती भावर, श्रीमती शीतल श्रीवास, सुश्री पूनम गुर्जर आदि ने भी अपने-अपने विचार रखे।

पुस्तकें हमारी सबसे बड़ी मित्र : गुप्ता

अनोखा तीर, हरदा।

स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में पांच दिवसीय शिक्षक पर्व के अंतर्गत आज चतुर्थ दिवस पर पुस्तकें पढ़ने की आदत डालने पर महाविद्यालय के शिक्षकों और विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ.संगीता बिले, कार्यक्रम संयोजक डॉ.धीरा शाह, राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ.सीपी गुप्ता और डॉ.रश्मि सिंह ने मां सरस्वती, स्वामी विवेकानंद और डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा पर दीप प्रज्ज्वलन और माल्यार्पण कर किया।

संस्था की प्राचार्य डॉ.बिले ने कहा कि मनुष्य को अपने जीवन में पुस्तकें पढ़ने की आदत अवश्य डालनी चाहिए, पुस्तकें न केवल हमारे ज्ञान में वृद्धि करती हैं बल्कि हमारे जीवन की अनेक समस्याओं का समाधान खोजने में भी हमारी मदद करती हैं। कार्यक्रम की संयोजक डॉ धीरा शाह ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को पुस्तकें पढ़ने की कोशिश करनी चाहिए, जिससे हमारे जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का निरंतर संचार बना रहे। डॉ सीपी गुप्ता ने कहा कि पुस्तकें हमारी सबसे बड़ी मित्र होती हैं और वास्तव में वे हमारे ज्ञान की सबसे बड़ी स्रोत है। पुस्तकें ही इंसान को महान बनाने का मार्ग खोलती हैं। श्रेष्ठ स्तर की पुस्तकें ही विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता की गारंटी दे सकती हैं। अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ.रश्मि सिंह द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

GPS Map Camera
Mali
Nigeria
Google
हरदा, मध्य प्रदेश, भारत
83VR+R3G, हरदा, मध्य प्रदेश 461331, भारत
Lat 22.344733°
Long 77.08998°
09/09/22 06:16 AM GMT +05:30

स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर
महाविद्यालय हरदा (म.प्र.)
21 जून 2022
"अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस"

ई-पेपर 10 सितंबर 2022

पत्रिका

हरदा आसपास पत्रिका

भारी बारिश के कारण उखड़ी सड़कें-रपटों की होगी मरम्मत

दस दिवसीय गणेशोत्सव का समापन: गणपति बप्पा के जयकारों के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन

चल समारोह में झलका भक्तों का उल्लास

पंडालों में हुए भंडारे, गाजे-बाजे के साथ पहुंचे नदी-तालाब

पोखरनी में श्रद्धालुओं ने आरती कर दी विदाई

संभाग स्तरीय स्पर्धा के लिए खिलाड़ियों का किया चयन

मुख्य बाजार से निकला चल समारोह

बैलगाड़ी पर निकाली शोभायात्रा

झांकियां रहीं आकर्षण का केंद्र

डीजे की धुन पर नाचते हुए भगवान गणेश को किया विदा

बच्चों में भी दिखा उत्साह, विसर्जन के लिए लगा तांता

'नई शिक्षा नीति शिक्षक को अपडेट रहने की प्रेर...

पत्नी से हुआ विवाद, पति ने मारी दराती

बिजनेस न्यूज

सेवा सहकारी समिति रूंदलाय की साधारण सभा की बैठक 20 को

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक और शिक्षा नीति की भूमिका पर विचार संगोष्ठी संपन्न

Sep 10 | Harda ▾

ई-पेपर 10 सितंबर 2022

पत्रिका

ON HD OFF

हरदा आसपास पत्रिका

भारी बारिश के कारण उखड़ी सड़कें-रपटों की होगी मरम्मत

दस दिवसीय गणेशोत्सव का समापन: गणपति बप्पा के जयकारों के साथ प्रतिमाओं का विसर्जन

चल समारोह में झलका भक्तों का उल्लास

पंडालों में हुए भंडारे, गाजे-बाजे के साथ पहुंचे नदी-तालाब

पोखरनी में श्रद्धालुओं ने आरती कर दी विदाई

संभाग स्तरीय स्पर्धा के लिए खिलाड़ियों का किया चयन

मुख्य बाजार से निकला चल समारोह

बैलगाड़ी पर निकाली शोभायात्रा

झांकियां रहीं आकर्षण का केंद्र

डीजे की धुन पर नाचते हुए भगवान गणेश को किया विदा

बच्चों में भी दिखा उत्साह, विसर्जन के लिए लगा तांता

स्वामी विवेकानन्द कॉलेज में दो दिवसीय शिक्षक पर्व का समापन

'नई शिक्षा नीति शिक्षक को अपडेट रहने की प्रेर...

पत्नी से हुआ विवाद, पति ने मारी दराती

बिजनेस न्यूज

सेवा सहकारी समिति रुंदलाय की साधारण सभा की बैठक 20 को

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक और शिक्षा नीति की भूमिका पर विचार संगोष्ठी संपन्न

Sep 10 | Harda ▾

अनोखा तीर
10 सितंबर 2022

था जो चल रहा है वह चलता
लोग चुटकी लेना नहीं भूलते,

पांडाल का निर्माण किया था। जिसमें रोजाना शाम के समय महिलाओं द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। साथ ही रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रमों में मटकी फोड़

राष्ट्र निर्माण में शिक्षक की भूमिका पर हुई विचार संगोष्ठी

अनोखा तीर, हरदा।

स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में पांच दिवसीय शिक्षक पर्व के समापन अवसर पर शुक्रवार को राष्ट्र निर्माण में शिक्षक और शिक्षा नीति की भूमिका पर विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी का शुभारंभ करते हुए संस्था की

प्राचार्य डॉ.संगीता बिले ने कहा कि शिक्षक न केवल विद्यार्थी के व्यक्तित्व का निर्माण करता है बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से वह राष्ट्र का निर्माण भी करता है, क्योंकि किसी भी राष्ट्र का मूर्तरूप उसके नागरिक ही होते हैं और नागरिकों को गढ़ने का कुशल कार्य शिक्षक ही कर सकता है। डॉ.धीरा शाह ने कहा कि भारत अनादिकाल से विश्व गुरु रहा है, क्योंकि भारत की पवित्र भूमि को असंख्य ऐसे गुरुओं का सानिध्य प्राप्त हुआ है, जिन्होंने तत्कालीन समस्याओं का निराकरण खोजा है। विचार संगोष्ठी को संबोधित करते हुए डॉ.दीप्ति अग्रवाल ने कहा कि 2020 की नई शिक्षा नीति शिक्षक को अद्यतन रहने की प्रेरणा देती है, जिससे कि विद्यार्थी को वर्तमान समस्याओं से लड़ने के योग्य बनाया जा सके। डॉ.निर्मला डोंगरे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी राष्ट्र और समाज की अपेक्षाओं, इच्छाओं और उद्देश्यों की पूर्ति योग्य शिक्षकों के द्वारा ही संभव है। डॉ.सीपी गुप्ता ने कहा कि किसी भी राष्ट्र के लिए शिक्षा नीति कितनी ही अच्छी क्यों न बना दी जाए यदि उसे लागू करने वाले शिक्षक उस नीति को अपनी नीति नहीं मानेंगे तो उस शिक्षा नीति के अपेक्षित और सकारात्मक परिणाम देखने को नहीं मिलेंगे, क्योंकि शिक्षा व्यवस्था का संपूर्ण ढांचा शरीर की तरह है और उस शरीर की आत्मा शिक्षक है। अंत में कार्यक्रम का संचालन और आभार व्यक्त करते हुए डॉ.रश्मि सिंह ने कहा कि यह नई शिक्षा नीति ना केवल विद्यार्थियों को अनेक विकल्प उपलब्ध कराती है बल्कि इससे हमारे नौनिहालों को उनकी मातृभाषा पर ही शिक्षा उपलब्ध कराती है। विचार संगोष्ठी में डॉ.राकेश परस्ते, डॉ.शर्मिला मीणा, मनीष परसाई, डॉ.आशा गायकवाड़, डॉ. प्रियंका राय, पार्वती भास्कर और चंद्रकिशोर लोखंडे ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

RAHUL
"औद्योगिक / शैक्षणिक भ्रमण"
वर्ष -2022-23
GPS Map Camera
Harda, Madhya Pradesh, India
Mainarket, near government college, Harda,
Madhya Pradesh 461331, India
Lat 22.344229°
Long 77.090111°
09/11/22 06:50 AM GMT +05:30
Google

वर्ष 20 ■ अंक 184
पृष्ठ 8+4=12 ■ मूल्य-5.00
भोपाल
■ शनिवार ■ 4 फरवरी 2023
माघ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी
विक्रम संवत्-2079
E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या - म.प्र. 4-506/2020-22

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

दैनिक
समय जगत

भोपाल, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

प्रधान संपादक : गीता अशोक त्रिपाठी

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

कार्यशाला से विद्यार्थियों का हुआ कौशल विकास : प्राचार्य

समय जगत,हरदा ।

स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना (रूसा) के अंतर्गत दस दिवसीय इलेक्ट्रिकल व्यवहारिक कौशल और दक्षता हेतु कार्यशाला का आयोजन विगत 21 जनवरी से 2 फरवरी तक किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए संस्था की प्राचार्य डॉ संगीता बिले ने कहा कि यह कार्यशाला भारत और मध्यप्रदेश शासन की नई शिक्षा नीति के तहत व्यवसायिक शिक्षा को बढ़ावा देने और विद्यार्थियों को आत्मनिर्भर बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। अगली कड़ी में बोलते हुए रुसा प्रभारी और कला संकाय प्रभारी डॉ धीरा शाह ने कहा कि यदि भारत को वास्तव में विश्व की महाशक्ति और विश्व गुरु बनना है तो उसे अपने विद्यार्थियों को रोजगारोन्मुखी और कौशल युक्त शिक्षा देना होगा जिससे विद्यार्थियों में शिक्षा के प्रति उत्सुकता और रुचि जागृत हो। वर्कशॉप का कुशल संचालन और निर्देशन अजय नागर द्वारा किया गया और उनका सहयोग तौकीर खान मलिक द्वारा किया गया। इस वर्कशॉप में विद्यार्थियों ने इलेक्ट्रिकल से जुड़े हुए विभिन्न उपकरणों जैसे पंखा रिपेयरिंग, बोर्ड रिपेयरिंग, मोटर वाइंडिंग, घरेलू बिजली वायरिंग, घरेलू टॉर्च और एलईडी बल्ब आदि विभिन्न इलेक्ट्रिकल टूल्स का व्यवहारिक प्रयोग कर प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के अंतिम दिवस में विद्यार्थियों को पॉलिटेक्निक महाविद्यालय के इलेक्ट्रिकल डिपार्टमेंट का भ्रमण कराया गया एवं अभिषेक ग्रीन वैली में हाउस वायरिंग की बारीकियों का निरीक्षण कराया गया। इस कार्यशाला में समय समय पर डॉ निर्मला डोंगरे, डॉ रश्मि सिंह, डॉ सी पी गुप्ता, डॉ धर्मेंद्र कोरी, यशवंत अलावा, बसंत राजपूत और डॉ सावेंद्र पटेल ने भी प्रशिक्षुओं को प्रोत्साहित और प्रेरित किया। कार्यशाला में शामिल विद्यार्थियों और प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए डॉ दीप्ति अग्रवाल ने कहा की इस कार्यशाला से विद्यार्थी अपने दैनिक जीवन के लिए उपयोगी और परिवार को चलाने लायक धन अर्जित करने का कौशल सीखकर जा रहे हैं जो उन्हें समाज में एक नया सम्मान दिलाने में सहयोगी सिद्ध होगा और हम उम्मीद करते हैं कि अगली बार जब इस प्रकार का कोई अन्य प्रशिक्षण होगा तो इसमें और ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी सक्रिय भूमिका निभाएंगे।

वर्ष 20 ■ अंक 209
पृष्ठ 8+4=12 ■ मूल्य-5.00
भोपाल
■ गुरुवार ■ 2 मार्च 2023
फाल्गुन शुक्ल पक्ष दशमी
विक्रम संवत्-2079
E-mail
dainiksamayjagat@gmail.com
insmjagat@gmail.com

डाक पंजीयन संख्या - म.प्र. 4-506/2020-22

दैनिक
समय जगत

भोपाल, म.प्र., उ.प्र. और अन्य राज्यों से एक साथ प्रकाशित

एक संदेश-पूरा देश

म.प्र. के सर्वाधिक केंद्रों तक प्रसारित प्रदेश का एकमात्र समाचार पत्र

प्रधान संपादक : गीता अशोक त्रिपाठी

शीर्ष की ओर 'समय जगत'
Facebook
asksamayjagat
Instagram
@asksamayjagat
Twitter
@asksamayjagat
यूट्यूब पर
'खबर समय जगत'
को भी सब्सक्राइब करें
www.dainiksamayjagat.in

स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विविध आयाम विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का हुआ आयोजन

शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने से सशक्त होगा राष्ट्र

समय जगत,हरदा। स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरदा में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के विविध आयाम विषय पर राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ सुनील कुमेटी, सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ थे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारतीय परंपरा अनुसार अतिथियों के स्वागत से किया गया। स्वागत भाषण में संस्था की प्राचार्य डॉ संगीता बिले ने नई शिक्षा नीति की विशेषता बताते हुए समस्त अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने नई शिक्षा नीति में पाठ्यक्रम की सीमाओं और बंधनों के खत्म होने का जिक्र किया। कार्यक्रम की रूपरेखा महाविद्यालय के प्रशासकीय अधिकारी श्री के बिछौतिया ने बताई, उन्होंने कहा की भारतवर्ष में मध्यप्रदेश प्रथम राज्य है जिसने पूर्ण रूप से नई शिक्षा नीति को लागू किया है। इस नीति से विद्यार्थी अपनी दक्षता को बढ़ाकर अपने जीवन को स्वर्णिम बना सकेंगे। मुख्य अतिथि एवं वक्ता डॉ सुनील कुमेटी का परिचय डॉ रश्मि सिंह के द्वारा दिया गया। शासकीय महाविद्यालय सिरोली के प्राचार्य डॉक्टर पी सी काशिव ने इस संदर्भ में कहा कि देश में रोजगार कैसे उत्पन्न हो यह शिक्षा नीति की मुख्य विशेषता है। इसमें वोकेशनल कोर्सेस के समावेश करके रोजगार की संभावनाएं बताई गई हैं। शासकीय महाविद्यालय टिमरनी के प्राचार्य डॉ जे के जैन ने नई शिक्षा नीति की विशेषता बताते हुए कहा की यह नीति भारत के प्राचीन ज्ञान को आत्मसात करेगी, जैसे एक समय में ढाका के मलमल की साड़ी एक माचिस में रखी जाती थी या भारत में प्राचीन इमारतें विश्व धरोहर सूची में शामिल हैं। यही प्राचीन ज्ञान हमें फिर से प्राप्त कराने की व्यवस्था नई शिक्षा नीति में की जा रही है। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ सुनील कुमेटी ने नेल्सन मंडेला को संदर्भित करते हुए कहा कि किसी देश को यदि नष्ट करना हो तो एटम बम की आवश्यकता नहीं है उस देश की शिक्षा व्यवस्था को नष्ट कर दो वह अपने आप नष्ट हो जाएगा। उन्होंने नई शिक्षा नीति क्यों लागू की गई इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की एक टिप्पणी को आधार बनाया जिसमें माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने यह कहा कि देश में शिक्षा का स्तर तो बढ़ते जा रहा है किंतु मानवीय मूल्य समाप्त होते जा रहे हैं तथा शिक्षित होने वाले विद्यार्थी एग्रेसिव नेचर के होते जा रहे है। उन्होंने बताया कि पुरानी शिक्षा पद्धति में रोजगार नहीं थे तथा ड्रॉप आउटस रेट भी बहुत ज्यादा था। किंतु नई शिक्षा नीति में चॉइस बेस्ड क्रेडिट सिस्टम लागू होने से जहां इतिहास की कक्षा में केवल 15 विद्यार्थी बैठते थे वहां अब लगभग 300 विद्यार्थी बैठने लगे हैं। किंतु उन्होंने इस बात पर चिंता जताई की अभी भी हम शिक्षा के क्षेत्र में अपनी जीडीपी का 3प्रतिशत से भी कम उपयोग में ला रहे हैं। जबकि इसे 6प्रतिशत होना चाहिए। उन्होंने रिसर्च में भी अपनी शिक्षा पद्धति में कमियों को उजागर किया। स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय हरदा, जिले के सभी महाविद्यालयों और प्रदेश के अनेक शोधार्थियों ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर अपने-अपने शोध पत्रों का वाचन किया। सबसे अंत में आभार सेमिनार की संयोजक, रूसा प्रभारी एवं कला संकाय प्रभारी डॉ धीरा शाह के द्वारा प्रस्तुत किया गया।साथ ही सेमिनार शोध पत्रिका के संपादन हेतु शुभकामना संदेश हेतु कमल पटेल मंत्री मध्यप्रदेश शासन, सांसद डीडी उइके, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा विभाग, जनभागीदारी समिति अध्यक्ष, नगरपालिका अध्यक्ष, कलेक्टर ,विधायक टिमरनी, आदि का भी आभार व्यक्त किया। मंच का सफल संचालन बसंत सिंह राजपूत और डॉ राकेश सिंह परस्ते द्वारा किया गया।

आज़ादी का अमृत महोत्सव
स्वामी विवेकानन्द शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
हरदा (म.प्र.)
आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश एवं अकादमिक उत्कृष्टता
के अन्तर्गत
10 दिवसीय इलेक्ट्रिकल व्यवहारिक कार्यशाला
केवल छात्र हेतु
वर्ष -2022-23
सौजन्य विश्व बैंक परियोजना एवं
आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ

स्वामी विवेकानन्द शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदा

जिला-हरदा (म.प्र)

उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना के अंतर्गत

10 दिवसीय इलेक्ट्रिकल व्यवहारिक कार्यशाला

।। प्रमाण-पत्र ।।

सत्र 2022-23

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी अजय नागर

आत्मज / आत्मजा कैलाश नागर ने

दिनांक 21 जनवरी 2023 से 01 फरवरी 2023 तक महाविद्यालय में 10 दिवसीय इलेक्ट्रिकल व्यवहारिक कार्यशाला का प्रशिक्षण दिया ।

महाविद्यालय परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

डॉ. धीरा शाह
रूसा/ कर्ड बैंक प्रभारी

डॉ. संगीता बिले
प्राचार्य

स्वामी विवेकानन्द शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, हरदा

जिला-हरदा (म.प्र)

उच्च शिक्षा गुणवत्ता उन्नयन परियोजना के अंतर्गत

10 दिवसीय इलेक्ट्रिकल व्यवहारिक कार्यशाला

।। प्रमाण-पत्र ।।

सत्र 2022-23

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी **तौकीर अहमद मलिक**

आत्मज / आत्मजा **शब्बीर हुसैन मलिक** ने

दिनांक 21 जनवरी 2023 से 01 फरवरी 2023 तक महाविद्यालय में 10 दिवसीय इलेक्ट्रिकल व्यवहारिक कार्यशाला का प्रशिक्षण दिया ।

महाविद्यालय परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

डॉ. धीरा शाह
रूसा/ कर्ड बैंक प्रभारी

डॉ. संगीता बिले
प्राचार्य

शासकीय महाविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन

'भविष्य की नींव मजबूत करने में ध्यान एक औषधि की तरह'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

हरदा. शहर के स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में रूसा, उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश के गुणवत्ता उन्नयन परियोजना के अकादमिक उत्कृष्टता गतिविधियों के तहत आयोजित हो रहे तीन दिवसीय कार्यक्रम का हार्टफुलनेस संस्था के कार्यक्रम के साथ शुक्रवार को समापन हुआ।

इस मौके पर प्राचार्य डॉ. संगीता किले ने कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य की नींव है और इस नींव को मजबूत बनाने के लिए ध्यान एक औषधि का काम करती है।

कार्यक्रम के दौरान ध्यान करते महाविद्यालय के प्रोफेसर एवं विद्यार्थी।

महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ. वीके बिठौलिया ने कहा कि केवल खुद के अनुभव से नहीं बल्कि दूसरों के अनुभव से भी जिंदगी को बदला जा सकता है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में हार्टफुलनेस संस्था के वक्ता डॉ. राजेश पटिलया ने स्वयं से परिचय कैसे करें, यह विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बताया।

कार्यक्रम के दूसरे दिन संस्था की वक्ता पूजा ने बताया कि हम सभी में भविष्य की संभावनाएं होती हैं, बस हमें हमारी शक्ति और प्राथमिकताओं को पहचानना होता है।

समापन सत्र में संस्था की वक्ता डॉ. प्रभा ने सुझाव दो कि हमारे जीवन की प्रतिदिन की गतिविधियों से संबंधित हैं, उसमें दिल और दिमाग का संतुलन कैसे होना चाहिए यह ध्यान के माध्यम से समझाया। कार्यक्रम में हार्टफुलनेस संस्था के डॉ गौरव परलकर, डॉ. संजय गुर्जर और संतोष राठौर उपस्थित रहे। वहीं कॉलेज की रूसा प्रभारी डॉ. धीरा शाह, डॉ. निर्मला डोंगरे, डॉ. राकेशसिंह परस्ते, डॉ. सीपी गुप्ता, डॉ. धर्मेंद्र कोरी, यशवंत अलावा, बसंतसिंह राजपूत, डॉ. सावेन्द्र पटेल, डॉ. दीप्ति अग्रवाल सहित कॉलेज स्टॉफ मौजूद रहे।

विद्यार्थी जीवन भविष्य की नींव : प्राचार्य बिले

● शा. महाविद्यालय में तीन दिवसीय कार्यक्रम का समापन

अनोखा तीर, हरदा। स्वामी विवेकानंद शासकीय महाविद्यालय में स्टेट प्रोजेक्ट डायरेक्टरेट रूसा, उच्च शिक्षा विभाग मध्यप्रदेश के गुणवत्ता उन्नयन परियोजना के अकादमिक उत्कृष्टता गतिविधियों के तहत तीन दिवसीय इंस्टूडेंट इनोवेटिव प्रोग्राम का समापन किया गया। समापन सत्र में प्राचार्य डॉ.संगीता बिले द्वारा कहा कि विद्यार्थी जीवन भविष्य की नींव है और इस नींव को मजबूत बनाने के लिए ध्यान एक औषधि का काम करती है। महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी डॉ.वीके बिछोतिया ने कहा कि केवल खुद के अनुभव से नहीं बल्कि दूसरों के अनुभव से भी जिंदगी को बदला जा सकता है। कार्यक्रम के प्रथम दिवस में हार्टफुलनेस संस्था के वक्ता डॉ राजेश पटिल्या ने स्वयं से परिचय कैसे करें वह विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बताया। कार्यक्रम के दूसरे दिन संस्था की वक्ता मेडम पूजा ने बताया कि हम सभी में भविष्य की संभावनाएं होती हैं बस हमें हमारी शक्ति और प्राथमिकताओं को पहचानना होता है। कार्यक्रम के समापन सत्र में संस्था की वक्ता डॉ.प्रभा मैडम ने चुनाव जो कि हमारे जीवन की प्रतिदिन की गतिविधियों से संबंधित है। उसमें दिल और दिमाग का संतुलन कैसे होना चाहिए वह ध्यान के माध्यम से समझाया। कार्यक्रम में हार्टफुल संस्था के डॉ.गोरख परुलकर, डॉ.संजय गुर्जर और संतोष राठौर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में रूसा प्रभारी डॉ.धीरा शाह ने सभी विद्यार्थियों को साधुवाद देते हुए इस कार्यक्रम के उद्देश्य को जीवन में उतारने के साथ-साथ महाविद्यालय परिवार तथा इस कार्यक्रम के समिति सदस्य डॉ. निर्मला डोंगरे, डॉ.राकेश सिंह परस्ते, डॉ.सीपी गुप्ता, डॉ. धर्मेंद्र कोरी, यशवंत अलावा, बसंत राजपूत, डॉ. सावेन्द्र पटेल का आभार किया। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ.दीप्ति अग्रवाल द्वारा किया।

FIRE ASSEMBLY POINT 2
GPS Map Camera
Bhopal, Madhya Pradesh, India
6CFR+J87, Habib Ganj, Bhopal, Madhya Pradesh 462023, India
Lat 23.225501°
Long 77.440705°
09/11/22 11:46 AM GMT +05:30
Google